आओ आओ म्हारा सांवरिया थे आंगण में भजन लिरिक्स

आओ आओ म्हारा सांवरिया,
थे आंगण में,
रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

कीर्तन की रात बाबा,
बेगा बेगा आओ,
लीले चढ़ बाबाजी थे,
बेगा बेगा आओ,
कांई लागै है जी बाबा,
थारें आवण में,
रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

ढोल नगाड़ा बाबा,
मंजीरा बजावां,
मीठा मीठा बाबा थाने,
भजन सुनावां,
बाबा टाबरिया नाचे है,
थारें आंगण में,
रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

केसरिया बागो यो बाबा,
थाने पहरावा,
चांदी रो थारें बाबा,
छत्र लगावा,
म्हें तो फुला स्युं सजायो,
थारें आंगण ने,
रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

'केशव' केवै बाबा म्हारी,
अरज सुनिज्यो,
चरणां री चाकरी थे,
म्हानै भी दिज्यो,
म्हाने लाज कोनी आवे,
थांसु मांगण में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

आओ आओ म्हारा सांवरिया,
थे आंगण में,
रातां म्हें जगावा सारी जागण में।bd।

गायक – नीलकांत मोदी।
लेखक / प्रेषक – मनीष शर्मा 'मोनु'
जोरहाट (आसाम) 9854429898

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com